



# 中大校友诗鸿

第五集

中大校友诗社编

一九九八

# 中大校友诗鸿

## 第五集

中央大学校友诗社

一九九八年十二月

一九九一年一月第一次到吉林旧地重游，倍感  
亲切。恰逢雾凇奇景，满城冰挂，欣然秉笔，  
写下“寒江雪柳，玉树琼花，吉林树挂名不虚传”。  
一九八四年三月间，吉林同志索句京华，  
忆及旧景，思忖事吟成七绝二首。

一  
寒江雪柳日新晴  
玉树琼花满目春  
历尽天华成景  
人间万事出艰辛

二  
又是神州草木春  
同商国计聚京城  
满堂共话中兴事  
万语千言赤子情

江泽民

王伯沆手迹

一 颿寄示次吳霜厓先生除夕韵詩和博一架  
方音何暇辨吾街野哭聲中度歲華亭二塔  
傷過客尊壽可懷唐化貲知到處居非易老懷隱生  
仕卽家滿地干戈滿天雪危樓閒坐聽簫韶

簌簌三兩葉清風未半底  
海不田星妙深心寄幅紙  
堂圓有淇澳敬恭桑典梓  
時窗展對斐然見君子

紐約貝君屬題陳氏周墨竹卷

少島海濱舊作年平



十令未濟紅弓浪

載器皮憐顏新朝

貌豕斤咸尙異

驅尙炎陽岩伏

固戢淚溫洞繇

壺裝化泉倉聞

皇可作飲皇空

而憐姓恨跌蹶塵

石兵馬涌彌公各

戊寅初夜



# 目 录

## (一) 作者名录及作品篇数:

|     |         |      |
|-----|---------|------|
| 陈三立 | 诗 5     | (1)  |
| 王伯沆 | 诗 5     | (2)  |
| 王东培 | 词 3     | (3)  |
| 李叔同 | 词 2 诗 2 | (4)  |
| 蒋贞金 | 诗 5     | (6)  |
| 胡翔冬 | 诗 4     | (7)  |
| 陈匪石 | 词 1     | (8)  |
| 吴 梅 | 词 3     | (9)  |
| 黄 侃 | 词 2     | (10) |
| 秉 志 | 诗 4     | (11) |
| 梁 希 | 诗 5     | (12) |
| 顾颉刚 | 诗 4 词 1 | (14) |
| 汪辟疆 | 诗 5     | (15) |
| 陈中凡 | 诗 5     | (17) |
| 胡小石 | 诗 3 词 2 | (18) |
| 汪 东 | 词 4     | (19) |
| 乔大壮 | 词 2     | (21) |

|        |         |      |
|--------|---------|------|
| 黎国昌    | 诗 4     | (21) |
| 罗家伦    | 诗 4     | (23) |
| 张江树    | 诗 1     | (24) |
| 郑 集    | 诗 5     | (24) |
| 沙孟海    | 诗 2     | (26) |
| 唐圭璋    | 词 5     | (26) |
| 龙榆生    | 词 4     | (28) |
| 顾毓琇    | 诗 5     | (29) |
| 谢惠霖    | 诗 3 词 1 | (31) |
| 陈家庆(女) | 词 2     | (32) |
| 吴白匋    | 诗 3 词 2 | (33) |
| 吕贞白    | 诗 3     | (34) |
| 吴世昌    | 诗 2     | (35) |
| 钱仲联    | 诗 2 词 2 | (36) |
| 雷 熙    | 词 4     | (37) |
| 黄汝鉴    | 诗 1 词 3 | (38) |
| 沈祖棻(女) | 词 3 诗 1 | (39) |
| 汪海粟    | 诗 1     | (40) |
| 程千帆    | 诗 4     | (41) |
| 吴调公    | 诗 1     | (42) |
| 钱仁康    | 新诗 1    | (42) |
| 张建东    | 诗 2     | (43) |
| 戚法人    | 词 3     | (44) |
| 张 立    | 诗 1 词 3 | (45) |

|         |         |      |
|---------|---------|------|
| 高良润     | 诗 2 词 2 | (46) |
| 林 兢     | 诗 4 词 1 | (47) |
| 朱 永     | 诗 5     | (49) |
| 朱宏隆     | 诗 3     | (50) |
| 吴锡泽     | 诗 5     | (51) |
| 刘金鳌     | 诗 3 词 1 | (52) |
| 金启华     | 词 5     | (53) |
| 陈尔寿     | 诗 2 词 2 | (55) |
| 何敏求     | 诗 2 词 3 | (56) |
| 顾淦臣     | 诗 3     | (58) |
| 朱 堂     | 诗 2     | (59) |
| 曹泽清     | 诗 2 词 3 | (59) |
| 袁冰清 (女) | 诗 2 词 3 | (61) |
| 王文靖     | 诗 4     | (62) |
| 沈左尧     | 诗 1 词 2 | (63) |
| 严在宽     | 诗 2     | (64) |
| 陈 华     | 词 2     | (65) |
| 邹森运     | 诗 3     | (66) |
| 唐德刚     | 词 2     | (66) |
| 曹象先     | 诗 2 词 1 | (67) |
| 文席谋     | 诗 4     | (68) |
| 苏笈寿     | 诗 5     | (69) |
| 周太康     | 词 3     | (70) |
| 蒋孝达     | 诗 3     | (71) |

|         |         |      |
|---------|---------|------|
| 吴俊云     | 诗 2     | (72) |
| 苏昌辽     | 诗 5     | (72) |
| 戴逸尘 (女) | 诗 1     | (74) |
| 王少屏     | 诗 5     | (74) |
| 刘起釭     | 诗 1     | (75) |
| 王鹏飞     | 诗 6     | (76) |
| 喻 衡     | 诗 3 词 2 | (77) |
| 蔡敦德     | 诗 3 词 1 | (79) |
| 黄述远     | 诗 4     | (80) |
| 朱云龙     | 诗 2     | (81) |
| 张寿平     | 诗 3 词 2 | (81) |
| 金仲辉     | 诗 5     | (83) |
| 过九如     | 诗 2     | (84) |
| 过永炎     | 诗 2     | (84) |
| 高 扬 (女) | 诗 2 词 2 | (85) |
| 李燕石     | 诗 2 词 3 | (86) |
| 戴文进     | 诗 1     | (88) |
| 王 薇 (女) | 新诗 1    | (88) |
| 徐汉民 (女) | 诗 2     | (89) |
| 王立农     | 诗 4 词 1 | (89) |
| 朱祖延     | 组诗 5    | (91) |
| 徐志刚     | 诗 2 词 2 | (91) |
| 龙盛绩     | 诗 4 词 1 | (93) |
| 李亚白     | 诗 5     | (94) |

|         |             |       |       |
|---------|-------------|-------|-------|
| 彭承麟     | 诗 1         | ..... | (95)  |
| 俞集梧     | 诗 3         | ..... | (95)  |
| 邬伯饶     | 诗 3 词 1     | ..... | (97)  |
| 张良皋     | 诗 4         | ..... | (98)  |
| 江泽民     | 诗 2         | ..... | (99)  |
| 李学曾     | 诗 2         | ..... | (100) |
| 陈执中     | 词 4 (附子诗 2) | ..... | (100) |
| 卓友渔     | 诗 5         | ..... | (102) |
| 彭德润     | 诗 2 词 3     | ..... | (104) |
| 刘毅仁     | 诗 4         | ..... | (105) |
| 陈谋德     | 诗 2         | ..... | (106) |
| 张永成     | 诗 3 词 1     | ..... | (107) |
| 刘禹宪     | 诗 2 曲 2     | ..... | (108) |
| 胡世扬     | 词 1         | ..... | (109) |
| 宋锡仁     | 诗 4         | ..... | (109) |
| 朱万里     | 诗 4         | ..... | (110) |
| 朱季和 (女) | 诗 3 词 2     | ..... | (111) |
| 杨圣希     | 诗 1         | ..... | (112) |
| 原葆民     | 诗 2 词 1     | ..... | (112) |
| 赵树民     | 诗 4         | ..... | (113) |
| 王慧君 (女) | 诗 1 词 3     | ..... | (114) |
| 赵得秀     | 诗 2         | ..... | (117) |
| 景才瑞     | 诗 1         | ..... | (117) |
| 李 飞     | 诗 4 词 1     | ..... | (118) |

|         |      |     |       |
|---------|------|-----|-------|
| 方宗远     | 诗 3  | 词 1 | (119) |
| 霍松林     | 诗 5  |     | (120) |
| 杨野黎     | 诗 4  | 词 1 | (122) |
| 刘培生     | 诗 2  |     | (124) |
| 杨星火 (女) | 新诗 3 |     | (125) |
| 赵志良     | 诗 2  |     | (126) |
| 朱法彰     | 词 3  | 诗 1 | (126) |
| 罗恩泽     | 诗 3  |     | (128) |
| 李学汾     | 词 2  |     | (129) |
| 李 梁     | 鼓词 1 |     | (130) |
| 刘如瑛     | 诗 4  |     | (131) |
| 李恩溥     | 诗 2  |     | (132) |
| 李 放     | 诗 1  | 词 1 | (133) |
| 颜景常     | 诗 5  |     | (134) |
| 秦子卿     | 诗 6  |     | (135) |
| 易 谦     | 诗 3  | 词 2 | (137) |
| 汪绍崑     | 词 3  | 诗 2 | (138) |
| 邹荫辛     | 诗 5  |     | (140) |
| 白 坚     | 诗 4  | 词 1 | (141) |
| 邹进上     | 诗 3  |     | (143) |
| 章学清     | 词 3  |     | (144) |
| 刘惠霖     | 诗 1  |     | (145) |
| 左东启     | 诗 4  |     | (145) |
| 王世夏     | 诗 3  | 词 2 | (146) |

|     |         |       |       |
|-----|---------|-------|-------|
| 王步高 | 词 4     | ..... | (148) |
| 索毅然 | 词 1     | ..... | (150) |
| 王运洪 | 诗 5     | ..... | (150) |
| 洪 桥 | 诗 4 词 1 | ..... | (151) |
| 常国武 | 诗 1     | ..... | (152) |
| 宙 浩 | 词 2 诗 2 | ..... | (154) |
| 单人耘 | 词 4     | ..... | (155) |
| 凌文远 | 诗 5     | ..... | (156) |
| 程庆澜 | 诗 1     | ..... | (157) |
| 陈 雄 | 组诗 5    | ..... | (157) |
| 张熙瑾 | 诗 3     | ..... | (158) |
| 朱崇才 | 诗 2 词 2 | ..... | (159) |
| 莫砺锋 | 诗 4     | ..... | (161) |
| 顾立桂 | 诗 3 词 1 | ..... | (162) |
| 吴维泉 | 诗 3     | ..... | (163) |
| 吕进人 | 词 1     | ..... | (164) |
| 王兆荣 | 诗 2     | ..... | (164) |

## (二) 校友诗词专辑 (四)

|        |       |       |
|--------|-------|-------|
| 陈祚璜遗作选 | ..... | (165) |
|--------|-------|-------|

## (三) 校友诗词专辑 (五)

|        |       |       |
|--------|-------|-------|
| 张书生遗作选 | ..... | (185) |
|--------|-------|-------|

(四) 校友诗词专辑 (六)

咏竹斋词选..... (191)

(五) 编后记 ..... (203)

(六) 附录: 1998 年度年会专辑 ..... (205)

1. 充实新生力量, 参与开创新世纪诗词文学新风

——记中大校友诗社第二次南京社员大会

2. 本社成立四年来的社务报告 (李飞)

3. 中大校友诗社财务报告 (汪绍崑)

4. 中央大学校友诗社(六朝松诗社)章程

(1998 年 10 月 6 日第二届理事会通过)

5. 中大校友诗社理事名单(以姓氏笔划为序)

《中大校友诗鸿》编委会名单

(七) 通 知 ..... (225)

(八)《中大校友诗鸿》第四集勘误表

..... (227)

**陈三立**（字伯严，号散原，1852—1937，光绪十二年进士，曾任两江师范学堂总教习）

### 扶坐觚庵茅亭看月

山气溪光并一痕，微笼新月作黄昏。  
剥霜枯树支离出，沈雾孤亭偃蹇存。  
邻犬吠灯寒举网，巢乌避弹旧移村。  
鸣笳击柝收闲味，已负秋虫泣草根。

### 见道旁菜畦春意盎然口占

韭甲菘苗纵复横，清渠倒引白虹明。  
游人指取春深处，恰有啼鸠一片声。

### 尹和伯画蜻蜓

雨过池台明夕晖，钓丝微映芰荷衣。  
回头莺燕衔花尽，莫向清溪款款飞。

### 奉题沅尹同年校词图

眼枯倚杖莽扬尘，羸蹶刘颠老此身。  
指正九天遗一世，作痴谁泣校词人。

翻翻蠹迹辨牛毛，    独献灵襟万象高。  
坐满鬼神相视笑，    莫教图我读离骚。

王伯沆    （名澄，1871—1944，中央大学教授）

一帆寄示次吴霜厓先生除夕  
韵诗，和博一槃

方音何暇辨吾衙，    野哭声中度岁华。  
亭上劳劳伤过客，    尊前可可忆唐花。  
贫知到处居非易，    老悟浮生住即家。  
满地干戈满天雪，    危楼闲坐听箫笳。

蝴蝶成团蜂作衙，    相将空际闹春华。  
纵横污我奔车水，    歌笑烦人堕溷花。  
未必桑中堪有喜，    微闻江外欲无家。  
归飞燕子惊心甚，    坏垛犹然隐乱笳。

平生未解是趋衙，    梦里何曾录梦华。  
直以孤心比明月，    惯携禅意看溪花。  
乾坤欲毁方知盍，    风火能闲自有家。

却笑衰翁穷不老， 又来江上听羌笛。

万柳摇天绿可衙， 日长残卷对南华。  
化鹏击水心原壮， 腐鼠骄人眼已花。  
果是螭蛆难别味， 由来野马易忘家。  
剧怜羁旅江头客， 一样临风数怨笳。

荒烟断础指官衙， 仿佛遗民识翠华。  
一片烧痕连野草， 数椽破屋见邻花。  
摄生方叹身为赘， 阅世真堪心出家。  
多少鸡虫争得失， 不惊鼓吹但惊笳。

**王东培** （1874—1947，原东南大学教授）

**琵琶仙** 咏纺纱婆依白石声韵

机杼停梭，渐星晚顿触，虫声萌叶。休问愁压眉头，新丝卖垂绝。人悄懒，烦伊代络。更潇洒比闻啼鴂。不断心情，终宵冷绎，将向谁说？借同伴银烛分明，作灯火相思励清节。凉饮一庭清露，感栖迟秋荚。怜过此西风籁起，又涩音苦吻难雪。只听抽乙微吟，怨怀谁别。